

कृष्ण धरावासीको निबन्धकारिता

त्रिभुवन विश्वविद्यालय
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय
महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस इलाम
नेपाली विभाग अन्तर्गत
स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनार्थ
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी

रामकुमार शाह
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय
महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस
नेपाली विभाग
इलाम
२०५९ - ०६१

त्रिभुवन विश्वविद्यालय
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय
महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस
नेपाली विभाग
इलाम

स्वीकृति पत्र

रामकुमार शाहद्वारा यस नेपाली विभागमा प्रस्तुत 'कृष्ण धरावासीको निबन्धकारिता'
शीर्षकको शोध-प्रबन्ध नेपाली विषयमा स्नातकोत्तर उपाधिको प्रयोजनको निमित्त
स्वीकृति गरिएको छ ।

शोध-प्रबन्ध मूल्याङ्कन समिति

.....
(बाह्य परीक्षक)

रामप्रसाद गुरागाई
(शोधनिर्देशक)

बुद्धिप्रसाद घिमिरे
(विभागीय प्रमुख)

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालयको आङ्गिक यस महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस इलामको नेपाली विभागको स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका निम्ति शैक्षिक सत्र २०५९-२०६१, क्रमाङ्क १८ का श्री रामकुमार शाहले 'कृष्ण धरावासीको निबन्धकारिता' शोधशीर्षक लिनु भएको हो । उहाँले मेरो निर्देशनमा अन्त्यन्त लगनशील भई यो शोधपत्र तयार पार्नु भएकाले निर्देशकको हैसियतले म सन्तुष्ट छु । यसको आवश्यक मूल्याङ्कनको लागि नेपाली विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस इलाम, समक्ष सहमति प्रस्तुत गर्दछु ।

शोधनिर्देशक

रामप्रसाद गुरागाई

उपप्राध्यापक

महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस,

इलाम

मिति २०६३।१०।२९

कृतज्ञता ज्ञापन

प्रस्तुत शोधपत्र मैले आदरणीय गुरु रामप्रसाद गुरागाईज्यूको कुशल निर्देशनमा तयार पारेको हुँ । विविध व्यस्तताका बीच मलाई आफ्नो अमूल्य समय दिई सजग र सचेत गराई समुचित मार्ग निर्देशन गरी दिनुहुने शोधनिर्देशक श्रद्धेय गुरुलाई हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु ।

शोध प्रस्तावलाई विभागीय स्वीकृति प्रदान गरी शोधकार्य गर्ने अवसर प्रदान गर्नु भएकोमा विभागीय प्रमुख उपप्राध्यापक बुद्धिप्रसाद घिमिरेज्यूप्रति पनि कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु ।

शोधपत्रको तयारीका क्रममा सहयोग गर्दै शीघ्रताका निम्ति प्रेरणा दिनु हुने महेन्द्ररत्न बहुमुखी क्याम्पस, नेपाली विभागका गुरुहरू रोमनाथ आचार्यज्यू, गुरुप्रसाद पोखरेलज्यू, विनोदकुमार खनालज्यू साथै युद्धप्रसाद बैद्यज्यू, डम्बर पहाडीज्यूप्रति म श्रद्धा व्यक्त गर्दछु ।

प्रस्तुत शोधपत्र तयार गर्ने सिलसिलामा आवश्यक सामग्री उपलब्ध गराई आफ्नो जीवन र कृतिका विविध पक्षका जानकारीका साथै शोधपत्रको तयारीका क्रममा सरसल्लाह र मार्ग निर्देशन समेत गर्नुहुने आदरणीय साहित्यकार कृष्ण धरावासीज्यूप्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु ।

त्यस्तै शोधकार्यका लागि आवश्यक पुस्तक उपलब्ध गराई सहयोग गरीदिनु भएकोमा साथीहरू रामप्रसाद बस्नेत, चेतनाथ खनाल, उत्तम पौडेल, कृष्ण सुब्बा, टंकप्रसाद धमला, चन्द्रमणि बराल र म. र. ब.क्याम्पस पुस्तकालयका दर्शनभक्त राज र गणेश श्रेष्ठप्रति आभारी छु । साथै साहित्यकार कृष्ण धरावासीको व्यक्तित्व र कृतित्व एवम् साहित्यिक योगदानका बारेमा शोधकार्य गर्ने विष्णुलाल पोखरेल र मिलनकुमार ढुङ्गानाप्रति पनि आभारी छु ।

मलाई सानै उमेरदेखि यस अवस्थामा ल्याई पुऱ्याउन तन, मन र वचनद्वारा प्रेरणा र हौसला दिई केही गर्नु पर्छ भनेर सधैं कर्तव्य पथमा हिडाउनु हुने बुवा स्व. बट्टी शाह र आमा सुभद्रा शाहप्रति सदा कृतज्ञ छु । साथै मेरो पढाइका लागि उचित घरायसी वातावरण तयार गरी सहयोग गर्ने श्रीमती शीला शाह र भाइ कृष्णकुमार शाहप्रति पनि आभार व्यक्त गर्दछु ।

रामकुमार शाह
स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्ष
२०५९-२०६१
क्रमाङ्क १८
मिति २०६३।१०।२९

सङ्क्षिप्त रूप

| सङ्क्षिप्त रूप | पूर्ण रूप |
|----------------|---------------------------------|
| अ.प्र. | अप्रकाशित |
| इ. | इस्वी |
| इ.पू. | इसा पूर्व |
| एम.ए. | मास्टर अफ आर्टस |
| आइ.ए. | इण्टरमिडिएट अफ आर्टस |
| डा. | डाक्टर |
| ने.रा.प्र.प. | नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान |
| पृ. | पृष्ठ |
| प्र.स. | प्रकाशन सम्बत् |
| सम्पा. | सम्पादक |
| सं. | सम्बत् |
| सं. | संस्करण |
| त्रि.वि. | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |

| सङ्क्षिप्त चिन्ह | अर्थ |
|------------------|-----------------|
| ... | केही अंश छुटेको |
| / | वा, र, अथवा |

विषयसूची

| | |
|--|--------|
| पहिलो परिच्छेद : शोध परिचय | १-५ |
| १. शोधपत्रको परिचय | १ |
| १.१ शोधपत्रको शीर्षक | १ |
| १.२ शोधपत्रको प्रयोजन | १ |
| १.३ विषयपरिचय | १ |
| १.४ समस्या कथन | २ |
| १.५ शोधको उद्देश्य | २ |
| १.६ पूर्वकार्यको समीक्षा | २ |
| १.७ अध्ययनको औचित्य र महत्व | ४ |
| १.८ शोधकार्यको सीमाङ्कन | ५ |
| १.९ सामग्री सङ्कलन विधि | ५ |
| १.१० सैद्धान्तिक ढाँचा र शोधविधि | ५ |
| १.११ शोधपत्रको रूपरेखा | ५ |
| | |
| दोश्रो परिच्छेद : निबन्धकार कृष्ण धरावासी : व्यक्तित्व र कृतित्वको परिचय | ६ - २७ |
| २. कृष्ण धरावासीको व्यक्तित्व र कृतित्वको परिचय | ६ |
| २.१ व्यक्ति | ६ |
| २.१.१ जन्म र जन्मस्थान | ६ |
| २.१.२ शिक्षा तथा लेखन प्रेरणा | ६ |
| २.१.३ पारिवारिक जीवन | ७ |
| २.१.४ आर्थिक अवस्था तथा आजीविका | ८ |
| २.१.५ शारीरिक संरचना र स्वभाव | ८ |
| २.१.६ उपनाम चयन | ९ |
| २.१.७ सार्वजनिक कार्य | १० |
| २.१.७.१ सामाजिक सेवा | १० |
| २.१.७.२ शिक्षण सेवा | ११ |
| २.१.७.३ राजनैतिक चिन्तन | १२ |
| २.२ कृति | १२ |
| २.२.१ लेखनको सुरुवात | १२ |
| २.२.२ पुस्तकाकार कृति | १३ |
| २.२.३ प्राप्त पुरस्कारहरूको विवरण | १४ |
| २.२.४ विविध व्यक्तित्व | १५ |
| २.२.४.१ कवि | १६ |
| २.२.४.२ निबन्धकार | १७ |
| २.२.४.३ कथाकार | १९ |
| २.२.४.४ समालोचक | २० |

| | |
|--------------------|----|
| २.२.४.५ उपन्यासकार | २२ |
| २.२.४.६ पत्रकार | २३ |
| २.२.४.७ स्तम्भकार | २४ |
| २.२.४.८ सम्पादक | २४ |
| २.२.४.९ भूमिकालेखक | २५ |
| २.३ निष्कर्ष | २७ |

तेश्रो परिच्छेद : निबन्धको सैद्धान्तिक परिचय र नेपाली निबन्ध

२८ - ५७

| | |
|--|----|
| ३. निबन्धको सैद्धान्तिक परिचय | २८ |
| ३.१ निबन्धको विधागत परिचय | २८ |
| ३.२ निबन्ध शब्दको व्युत्पत्ति | २८ |
| ३.३ निबन्धको परिभाषा र स्वरूप | २९ |
| ३.३.१ निबन्धसम्बन्धी पाश्चात्य मत | ३० |
| ३.३.२ निबन्धसम्बन्धी पूर्वीय मत | ३१ |
| ३.३.३ निबन्ध र प्रबन्ध | ३३ |
| ३.३.४ निबन्ध र कथा | ३४ |
| ३.३.५ निबन्ध र कविता | ३५ |
| ३.३.६ निबन्धका बारेमा निष्कर्ष | ३५ |
| ३.४ निबन्धका विशेषता | ३६ |
| ३.४.१ व्यक्तित्वको प्रकाशन | ३६ |
| ३.४.२ सङ्क्षिप्तता | ३६ |
| ३.४.३ एकसूत्रता | ३६ |
| ३.४.५ अन्वितिको प्रभाव | ३७ |
| ३.५ निबन्धका तत्त्वहरू | ३७ |
| ३.५.१ वस्तु | ३८ |
| ३.५.२ शैली | ३८ |
| ३.५.३ उद्देश्य | ४० |
| ३.६ निबन्धको वर्गीकरण | ४० |
| ३.६.१ वर्णनात्मक निबन्ध | ४२ |
| ३.६.२ विवरणात्मक निबन्ध | ४२ |
| ३.६.३ विचारात्मक निबन्ध | ४३ |
| ३.६.४ भावात्मक निबन्ध | ४३ |
| ३.६.५ हास्यव्यङ्ग्यात्मक निबन्ध | ४४ |
| ३.६.६ नियात्रा | ४४ |
| ३.७ निबन्धको परिवेश | ४४ |
| ३.७.१ प्रकाशन र त्यसको सुव्यवस्था | ४५ |
| ३.७.२ भाषागत प्रौढता | ४५ |
| ३.७.३ वैचारिक अभिव्यक्तिको स्वतन्त्रता | ४५ |

| | |
|--|----|
| ३.८ नेपाली निबन्धको विकासको सङ्क्षिप्त रूपरेखा | ४५ |
| ३.८.१ पृष्ठभूमिकाल/प्रारम्भिक काल | ४७ |
| ३.८.२ निर्माण काल/माध्यमिक काल | ४८ |
| ३.८.३ विकास काल/आधुनिक काल | ५० |

चौथो परिच्छेद : निबन्धकार कृष्ण धरावासीको निबन्धको अध्ययन र मूल्याङ्कन ५८ – १०२

| | |
|---|-----|
| ४. निबन्धकार कृष्ण धरावासीको निबन्धको अध्ययन र मूल्याङ्कन | ५८ |
| ४.१ पृष्ठभूमि | ५८ |
| ४.२ निबन्ध लेखनमा प्रेरणा र प्रभाव | ५९ |
| ४.३ निबन्ध र धरावासी | ६० |
| ४.३.१ बालक हराएको सूचना निबन्धसङ्ग्रह | ६२ |
| ४.३.२ नारीभिन्न त्यस्तो के छ हजुर ? निबन्धसङ्ग्रह | ७२ |
| ४.३.३ उत्तमजङ्ग सिजापतीको आलु निबन्धसङ्ग्रह | ८५ |
| ४.४ मूल्याङ्कन | ९६ |
| ४.४.१ कमजोर पक्ष | ९८ |
| ४.४.२ सबल पक्ष | ९९ |
| ४.४.३ निष्कर्ष | १०० |

पाँचौ परिच्छेद : उपसंहार १०३ – ११०

| | |
|----------------------------|-----|
| ५. उपसंहार | १०३ |
| ५.१ उपसंहार | १०३ |
| ५.२ सम्भाव्य शोध शीर्षकहरू | १०८ |